प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार
पूछे जाने वाले 10,000
से ज्यादा सवाल और तथ्य

सामान्य ज्ञान

सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल

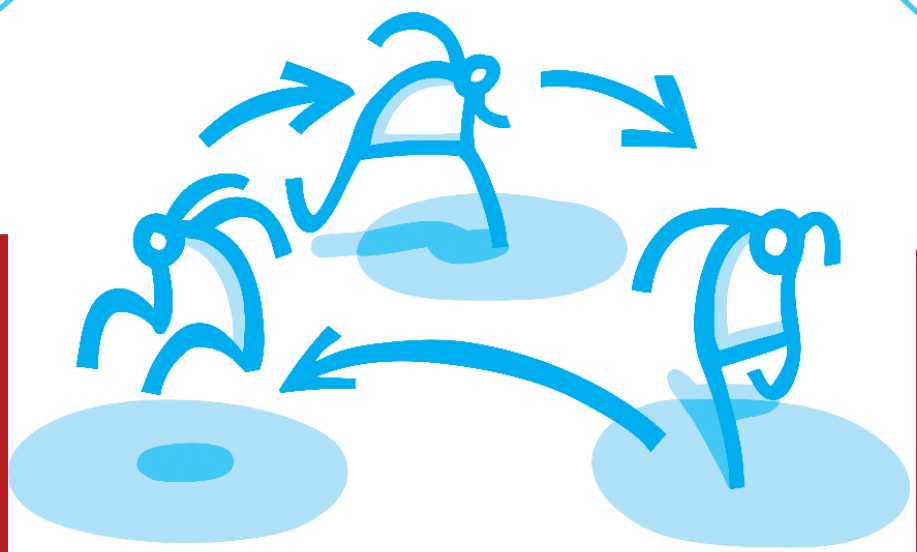

एसएससी, रेलवे, पुलिस, पटवार, लेखपाल,
वनपाल, वनरक्षक, लिपिक और सैनिक
भर्ती परीक्षाओं के लिए विशेष

दिनेश शर्मा

सामान्य ज्ञान

सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल

इन परीक्षाओं के लिए
खासतौर पर उपयोगी

एसएससी की सभी परीक्षाएं

रेलवे की सभी परीक्षाएं

केंद्र और विभिन्न राज्यों की **लिपिक** भर्ती परीक्षाएं

केंद्रीय पुलिस बलों और विभिन्न राज्यों की पुलिस में **कॉन्स्टेबल, हेड कॉन्स्टेबल, एएसआई, एसआई** और **सैनिक** भर्ती परीक्षाएं

विभिन्न राज्यों की **पटवार, लेखपाल, वनपाल, वनरक्षक** और समकक्ष पदों पर भर्ती परीक्षाएं

आपणी पोथी
वह सब और सिर्फ वही
जो प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछा जाता है।

ISBN 978-81-952386-3-7
9 788195 238637
₹ 200
www.aapnipothi.com

सामान्य ज्ञान

सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल

लेखक

दिनेश शर्मा

आपणी दोथी

सामान्य ज्ञान

सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल

लेखक

दिनेश शर्मा

© आपणी पोथी

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस प्रकाशन और इसके किसी भी अंश का किसी भी रूप में फोटो प्रतिलिपि, इलेक्ट्रॉनिकी, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से पुनः प्रस्तुतीकरण, प्रतिलिपिकरण, प्रयोग, संग्रहण या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

प्रकाशक

आपणी पोथी

सीकर रोड, नवलगढ़

जिला : झुंझुनूं (राजस्थान) - 333042

संपर्क : 9887803616, 9414362312

Website: www.aapnipothi.com

E-mail: aapnipothi@gmail.com

मुद्रक

कीनो कंप्यूटर ग्राफिक्स

लालकोठी, जयपुर

पहला संस्करण : 2022

ISBN : 978-81-952386-3-7

इस पुस्तक के प्रकाशन में पूरी सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी भी त्रुटि से होने वाली क्षति के संबंध में प्रकाशक, मुद्रक, संपादक या लेखक का कोई दायित्व नहीं होगा।

ऐतिहासिक और वैज्ञानिक तथ्य नई खोजों, अकादमिक स्वीकृतियों और विचारधाराओं के प्रभाव के साथ बदल सकते हैं, इसलिए लेखक, प्रकाशक और मुद्रक इनके सर्वस्वीकृत और निरपेक्ष सत्य होने का दावा नहीं करते।

प्रकाशन के संबंध में किसी भी परिवाद का निपटारा न्यायिक क्षेत्र नवलगढ़ की सक्षम अदालत या फोरम में किया जाएगा।

विषय सूची

खंड-1 इतिहास

अध्याय-1 भारत का इतिहास 5-38

1. प्रागैतिहासिक काल
2. सिंधु सभ्यता और अन्य पुरा-स्थल
3. वैदिक सभ्यता
4. जैन धर्म
5. बौद्ध धर्म
6. महाजनपद काल
7. सिख धर्म
8. मगध साम्राज्य
9. मौर्य साम्राज्य और कलिंग
10. ब्राह्मण साम्राज्य
11. भारत में यूनानी राज्य (हिंद यूनानी, शक, पहलव और कुषाण)
12. गुप्त साम्राज्य
13. पुष्यभूति वंश
14. दक्षिण भारत के राजवंश (पल्लव, राष्ट्रकूट, चालुक्य वंश, यादव, होयसल, कदंब, गंग, काकतीय, वाडेयार) और संगम-युग (चेर, चोल,पांड्य)
15. सीमावर्ती क्षेत्रीय राजवंश (पाल वंश, सेन वंश, कश्मीर के राजवंश और कामरूप का वर्मन वंश)
16. राजपूत काल (गुर्जर-प्रतिहार, गहड़वाल, चौहान, परमार, चंदेल, सोलंकी या गुजरात का चालुक्य वंश, कलचुरी-चेदी राजवंश, सिसोदिया वंश)
17. भारत पर अरबों और तुर्कों का आक्रमण
18. सल्तनत काल
19. विजयनगर साम्राज्य
20. बहमनी साम्राज्य और अन्य राज्य
21. मुगल साम्राज्य और शेरशाह सूरी
22. मराठा साम्राज्य
23. नए स्वतंत्र राज्य (हैदराबाद, अवध, बंगाल, मैसूर, राजपूत, जाट, सिख)
24. 1757 से 1856 के बीच अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन, विप्लव और विद्रोह
25. 1857 की क्रांति
26. औपनिवेशिक अर्थतंत्र की मीमांसा
27. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और स्वातंत्र्योत्तर भारत

अध्याय-2 विश्व का इतिहास 39-41

अध्याय-3 कला एवं संस्कृति 42-46

अध्याय-4 सामाजिक सुधार आंदोलन 47-48

अध्याय-5 शिक्षा 49-50

अध्याय-6 प्रकाशन 51-53

खंड-2 भूगोल

अध्याय-1 विश्व का भूगोल 54-65

1. भूगोल का सामान्य परिचय
2. खगोलशास्त्र और ब्रह्मांड का परिचय
3. सौर मंडल
4. पृथ्वी का सौर्यिक संबंध
5. पृथ्वी की उत्पत्ति और संरचना
6. भूकंप और ज्वालामुखी
7. पर्वत और पठार
8. महादेश, देशों की राजधानी, स्थानों की अवस्थिति और विशेषताएं
9. जलवायु और उसकी रचना करने वाले कारक
10. महासागर, अपवाह प्रतिरूप और अपवाह तंत्र
11. प्राकृतिक वनस्पति और मृदा
12. विश्व के प्रमुख खनिज संसाधन
13. अंतरराष्ट्रीय परिवहन

अध्याय-2 भारत का भूगोल 66-82

1. भारत का भौगोलिक परिचय
2. भारत का भौतिक स्वरूप
3. अपवाह तंत्र, बहुद्देशीय परियोजनाएं और अन्य जलीय संरचनाएं
4. भारत की जलवायु
5. भारत की मिट्टियां
6. भारत की प्राकृतिक वनस्पति
7. भारत के खनिज एवं ऊर्जा संसाधन और औद्योगिक केंद्र
8. भारत में परिवहन

अध्याय-3 जनांकिकी 83-83

अध्याय-4 कृषि एवं पशुपालन 84-86

खंड-3

अध्याय-1 राजव्यवस्था 87-104

1. संवैधानिक विकास
2. संविधान निर्माण
3. संविधान की विशेषताएं और प्रस्तावना
4. नागरिकता
5. अधिकार
6. नीति निदेशक तत्व
7. मूल कर्तव्य
8. संविधान संशोधन
9. संसदीय व्यवस्था
10. राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति
11. केंद्रीय मंत्रिपरिषद
12. आपात उपबंध (भाग XVIII, अनुच्छेद 352 से 360)
13. संघीय व्यवस्था और राज्य
14. राज्यों की विधायिका और कार्यपालिका
15. न्यायपालिका
16. राजनीतिक दल और निर्वाचन
17. संवैधानिक व गैर-संवैधानिक निकाय और लोकप्रशासन
18. आधिकारिक भाषा और राष्ट्रीय प्रतीक
19. स्थानीय स्वशासन
20. विविध

अध्याय-2 अंतरराष्ट्रीय संस्थान 105-107

खंड-4

अध्याय-1 अर्थव्यवस्था 108-116

1. अर्थव्यवस्था का सामान्य परिचय
2. राष्ट्रीय आय
3. मुद्रा और बैंकिंग
4. राजस्व और बजट
5. औद्योगिक विकास और औद्योगिक केंद्र
6. सेवा क्षेत्र
7. आर्थिक नियोजन, नीतियां और योजनाएं
8. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण
9. विदेशी व्यापार, भुगतान संतुलन और विदेशी निवेश
10. अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था

खंड-5 विज्ञान

अध्याय-1 भौतिक विज्ञान 117-130

1. भौतिक राशियां, मानक और मात्रक
2. बल और गति
3. कार्य, ऊर्जा और शक्ति
4. द्रव्य के सामान्य गुण
5. ऊष्मा और ऊष्मा गतिकी
6. प्रकाश
7. ध्वनि
8. विद्युत
9. चुंबकत्व और विद्युत चुंबकीय तरंगें
9. इलेक्ट्रॉनिकी, मैकेनिक्स और भौतिक वैज्ञानिकों की उपलब्धियां

अध्याय-2 रसायन विज्ञान 131-145

1. द्रव्य की अवस्थाएं
2. मिश्रण और यौगिक
3. परमाणु और अणु
4. तत्व और प्रतीक
5. रासायनिक आबंधन और अभिक्रियाएं
6. अम्ल, क्षार और लवण
7. धातुएं और उनके यौगिक
8. अधातुएं और उनके यौगिक
9. कार्बनिक रसायन और मानव निर्मित पदार्थ
10. ईंधन
11. नाभिकीय रसायन

अध्याय-3 जीव विज्ञान 146-160

1. जीव विज्ञान का सामान्य परिचय
2. प्राणियों में संरचनात्मक संघटन
3. जंतुओं में जनन
4. मानव के अंग-तंत्र और कार्यिकी
5. प्राणियों में पोषण
6. सूक्ष्म जीव, मानव रोग, प्रतिरक्षा और चिकित्सा
7. उद्विकास, आनुवंशिकी और जैव प्रौद्योगिकी

अध्याय-4 वनस्पति विज्ञान 161-163

1. वनस्पति विज्ञान का सामान्य परिचय
2. पादपों में संरचनात्मक संघटन
3. पादप कार्यिकी और उपयोग
4. पादपों में जनन

अध्याय-5 पर्यावरण व पारिस्थितिकी 164-166

1. वायुमंडल
2. जैव विविधता
3. पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन व आपदाएं

अध्याय-6 सूचना प्रौद्योगिकी 167-171

अध्याय-7 अंतरिक्ष विज्ञान 172-173

खंड-6

अध्याय-1 खेलकूद 174-177

अध्याय-2 उपलब्धियां 178-179

अध्याय-3 प्रतिरक्षा 180-180

अध्याय-4 विविध 181-184

अध्याय-01

भारत का इतिहास

प्रागैतिहासिक काल
(5,00,000 ई. पू. से 2,500 ई.पू.)

- अभिलेखों का अध्ययन **एपीग्राफी (Epigraphy)** कहलाता है।
- **इतिहास** को समाज की प्रयोगशाला माना जाता है।
- बुर्जहोम, नवपाषाणकालीन स्थल **जम्मू-कश्मीर** में स्थित है।

प्रागैतिहासिक स्थल

स्थल	क्षेत्र
पहलगाम	कश्मीर
बेलनघाटी	इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)
भीमबेटका और आदमगढ़	होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)
सिंगी तालाब	नागौर (राजस्थान)
बागोर	राजस्थान
गुफकराल और बुर्जहोम	कश्मीर

- पुरा-पाषाणकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि **आग का आविष्कार** थी। *(पुरापाषाण काल प्रागैतिहासिक युग का वह समय है जब मानव ने पत्थर के औजार बनाना सबसे पहले आरंभ किया। नव पाषाण काल में मानव स्थाई रूप से रहना, कृषि करना और पहिए का आविष्कार कर चुका था।)*
- आदि मानव ने सबसे पहले **आग जलाना** सीखा था।
- नियोलिथिक का अर्थ **नव पाषाण काल** है। *(भारत में नवपाषाण काल के स्थल की प्रथम खोज लेंमेसुरियर ने टोंस नदी घाटी (उ.प्र.) के किनारे पर 1860 ई. में की।)*
- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग की स्थापना **अलेक्जेंडर कनिंघम** के नेतृत्व में 1861 ई. में की गई। *(पुरा पाषाण काल के उपकरणों में सबसे पहले रॉबर्ट ब्रूसफुट ने 1863 में मद्रास के पास पल्लवरम् नामक स्थान से हैंड एक्स प्राप्त किया।)*
- मनुष्य ने सबसे पहले **कुत्ते** को पालतू बनाया।
- पहिये का आविष्कार **नवपाषाणकाल** में हुआ था।
- विश्व का सबसे पुराना खाद्यान्न **जौ** है। *(नवपाषाण काल में कृषि व पशुपालन का विकास हुआ। कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य मेहरगढ़ (ब्लूचिस्तान, पाकिस्तान) से प्राप्त हुए हैं। गेहूं तथा जौ इसी काल में मिले हैं तथा खजूर की एक किस्म भी प्राप्त हुई है। कृषि के लिए अपनाई गई सबसे प्राचीन फसलें गेहूं व जौ हैं।)*

सिंधु सभ्यता और अन्य पुरा-स्थल
(2500 ई. पू. से 1750 ई.पू.)

- सिंधु घाटी सभ्यता की अवधि **2500 ई.पू.-1750 ई.पू.** थी।
- सबसे पहले **कपास** का उत्पादन हड़प्पावासियों ने किया था। *(सिंधुवासियों का मुख्य खाद्यान्न गेहूं व जौ था। सबसे पहले कपास उगाने का श्रेय सिंधु सभ्यता के लोगों को जाता है।)*
- सिंधु घाटी सभ्यता **सुनियोजित शहरों** के लिए प्रसिद्ध थी। *(सिंधु सभ्यता की सभी सड़कें मिट्टी से बनी हुई थीं।)*
- सिंधु घाटी के लोग **मातृ देवी** की पूजा करते थे। *(सिंधु सभ्यता के निर्माता भूमध्यसागरीय (द्रविड़) थे। सिंधुवासी मातृ देवी, पशुपति महादेव और प्रकृति की पूजा करते थे। सिंधुवासी राजस्थान स्थित में खेतड़ी की खानों से तांबा प्राप्त करते थे।)*
- सिंधु घाटी सभ्यता के लोग **पशुपति शिव** की पूजा करते थे।
- सिंधुघाटी के लोग **पीपल के वृक्ष** की पूजा करते थे।
- आर्य **अग्नि** की आराधना करते थे। *(सिंधुवासी द्रविड़ थे जो प्रकृति, सूर्य, अग्नि, मातृदेवी और पशुपति की आराधनाा करते थे।)*
- **सिंधु घाटी सभ्यता** की लिपि पढ़ी नहीं जा सकी है। *(सिंधुवासियों की लिपि चित्र प्रधान लिपि थी। इस लिपि में लगभग 400 वर्ण हैं। लिपि की लिखावट दाईं से बाईं ओर मानी गई है। पिग्गट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वां राजधानियां बताया है।)*
- सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल **धोलावीरा (गुजरात)** है।

- सिंधुघाटी सभ्यता में कालीबंगा **मिट्टी के पात्र, मिट्टी की चूड़ियों** के लिए प्रसिद्ध है।
- सिंधु सभ्यता **कृषि प्रधान** अर्थव्यवस्था थी।
- **नगर-नियोजन** सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता थी। *(सिंधु घाटी सभ्यता अपनी विशिष्ट एवं उन्नत नगर योजना के लिए विश्व प्रसिद्ध है। सिंधु अथवा हड़प्पा सभ्यता के नगर का अभिविन्यास शतरंज पट (ग्रिड प्लानिंग) की तरह होता था, जिसमें मोहनजोदड़ो की उत्तर-दक्षिणी हवाओं का लाभ उठाते हुए सड़कें करीब-करीब उत्तर से दक्षिण तथा पूर्ण से पश्चिम को ओर जाती थीं। इस प्रकार चार सड़कों से घिरे आयतों में आवासीय भवन तथा अन्य प्रकार के निर्माण किए गए थे।)*
- सैंधववासी **दशमलव प्रणाली** पर आधारित बाटों का प्रयोग करते थे। अधिकांश बाट 16 या उसके गुणज भार के हैं।
- सुरकोटदा से **घोड़े की हड्डियां** मिली हैं।
- हड़प्पा **रावी नदी** के किनारे अवस्थित है। *(हड़प्पा के टीलों की तरफ सबसे पहले चार्ल्स मैसन ने 1826 में ध्यान आकर्षित किया। हड़प्पा से एक दर्पण प्राप्त हुआ है, जो तांबे का बना हुआ है। हड़प्पा से कांसे की बनी एक नर्तकी की मूर्ति, (मोहनजोदड़ो) तांबे की बनी हुई एक इक्का गाड़ी प्राप्त हुई है। हड़प्पा रावी नदी के तट पर स्थित है, जिसकी खुदाई 1921 में दयाराम साहनी के नेतृत्व में हुई।)*
- हड़प्पा सभ्यता के सिक्कों पर **गैंडासील मुहर** का प्रयोग किया गया था।
- सिंधु घाटी सभ्यता में सबसे पहले खुदाई **हड़प्पा** में हुई थी।
- मोहनजोदड़ो की खोज **राखालदास बनर्जी** ने 1922 में की थी।
- मोहनजोदड़ो का अर्थ **मृतकों का टीला** है।
- पशुपति शिव व पुजारी का सिर **मोहनजोदड़ो** से प्राप्त हुआ है।
- **विशाल स्नानागार** मोहनजोदड़ो में पाया गया है।
- **नाचने वाली लड़की** की मूर्ति मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई है।
- सिंधु घाटी सभ्यता **नगरीय सभ्यता** थी जबकि वैदिक सभ्यता ग्रामीण सभ्यता थी।
- सिंधुघाटी सभ्यता **कांस्य युगीन** सभ्यता थी।
- सिंधु घाटी के लोगों को **लोहा धातु** की जानकारी नहीं थी। *(घोड़े और लोहे के साक्ष्य इस सभ्यता से नहीं मिले हैं।)*
- सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों की मुद्रा में **शिव** की आकृति चित्रित थी।
- मानव द्वारा उपयोग की गई पहली **धातु तांबा** थी।

सिंधु सभ्यता के स्थल

स्थल	नदी	खोजकर्ता (वर्ष)	स्थिति	प्रमुख अवशेष
हड़प्पा	रावी	दयाराम साहनी, माधोस्वरूप वत्स (1921)	मोंटगोमरी (पाकिस्तान)	पीतल की गाड़ी, लकड़ी का ताबूत, स्वस्तिक का चिन्ह
मोहनजोदड़ो	सिंधु	राखलदास बनर्जी (1922)	लरकाना (सिंध, पाकिस्तान)	विशाल स्नानागार, कांस्य की नृत्यरत नारी की मूर्ति, पशुपति की मूर्ति, विशाल अन्नागार
चन्हूदड़ो	सिंधु	एम. गोपाल मजुमदार (1931)	सिंध (पाकिस्तान)	मनके का कारखाना, लिपिस्टिक, स्याही-दवात, जला हुआ सिर
कालीबंगा	घग्घर	अमलानंद घोष (1952, बी.बी. लाल व बी.के. थापर (1961-69)	हनुमानगढ़ (राजस्थान)	जुते हुए खेत का साक्ष्य, अग्निकुंड, बेलनाकार मोहर, तांबे की वृषभ मूर्ति, काली चूड़ियां, ऊंट की अस्थियां
कोटदीजी	सिंधु	फजल अहमद (1953)	खैरपुर (सिंध)	पत्थर के बाणाग्र
रंगपुर	मादर	एम.एस. वत्स व एस.आर. राव (1953-54)	काठियावाड़ (गुजरात)	हाथी के अवशेष, धान की भूसी
रोपड़	सतलज	यज्ञदत्त शर्मा (1953-56)	रोपड़ (पंजाब)	मानव कब्र के साथ कुत्ते का शवाधान
लोथल	भोगवा	एस.आर. राव (1957-58)	अहमदाबाद (गुजरात)	डॉक यार्ड, फारस की मोहर, चावल के साक्ष्य, अग्निकुंड
आलमगीरपुर	हिंडन	यज्ञदत्त शर्मा (1958)	मेरठ (उत्तर प्रदेश)	मोर व गिलहरी के चित्र

- **लोथल** सिंधु सभ्यता के खुदाई स्थल का एक हिस्सा है जो गुजरात में स्थित है। यह उस समय एक प्रसिद्ध बंदरगाह था।
- सिंधुघाटी सभ्यता का पत्तन नगर **लोथल** है।
- हड़प्पाकालीन स्थल **लोथल** गुजरात में था। *(भोगवा नदी के किनारे पर अहमदाबाद के पास स्थित लोथल बंदरगाह से सिंधुवासी अन्य देशों और सिंधु स्थलों के साथ व्यापार करते थे।)*
- **लोथल** से युगल शवधान प्राप्त हुआ है जिसमें सिर पूरब तथा पैर पश्चिम की तरफ लिटाए गए हैं।
- सिंधु सभ्यता में **लोथल** से तराजू प्राप्त हुआ है।

- सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित लोथल, धोलावीरा, रंगपुर **गुजरात** में हैं।
- सिंधु घाटी सभ्यता में, धौलावीरा **जल संरक्षण** के लिए प्रसिद्ध है। *(गुजरात के कच्छ जिले के मचाऊ तालुका में **मासर एवं मानहर** नदियों के मध्य अवस्थित इस सभ्यता स्थल की खोज जगतपति जोशी ने 1967-68 में की लेकिन इसका विस्तृत उत्खनन 1990-91 में रवींद्रसिंह बिस्ट ने किया था।)*
- हड़प्पा सभ्यता में मोहरें **सेलखड़ी या टेराकोटा** से बनी हैं।
- कालीबंगा भारत के राजस्थान के **हनुमानगढ़** में स्थित है।
- सिंधु सभ्यता के **कालीबंगा** से हल चलाने का साक्ष्य प्राप्त हुआ है।
- हड़प्पा सभ्यता में **ऊंट की हड्डी** कालीबंगा में मिली थी। *(कालीबंगा के उत्खनन में निचली सतह से पूर्व सिंधु सभ्यता और ऊपरी सतह से सिंधु सभ्यता के अवशेष मिले हैं। कालीबंगा से प्राप्त फर्श में अलंकृत ईंटों का प्रयोग किया गया है। कालीबंगा से काली मिट्टी की चूड़ियां, जुते हुए खेत के साक्ष्य, अग्निकुंड या हवन कुंड के साक्ष्य, लकड़ी की नाली प्राप्त हुई हैं।)*
- डॉ. दशरथ शर्मा ने सिंधु सभ्यता के स्थल **कालीबंगा** को तीसरी राजधानी कहा जाता है।
- सिंधु घाटी सभ्यता में मिट्टी के बर्तनों के निर्माण के सबसे पुराने साक्ष्य **कालीबंगा** में पाए गए हैं।
- **राखीगढ़ी** हड़प्पाई स्थल हरियाणा में स्थित है।
- **दैमाबाद** से हड़प्पाकालीन रथ की एक प्रतिमा प्राप्त हुई थी।

वैदिक सभ्यता
(1500 ई.पू. से 500 ई.पू.)

- भारतीय पटल पर आर्यों का लगभग **1500-1000 ई.पू.** के बीच अभ्युदय हुआ। आर्य केंद्रीय एशिया से सबसे पहले पंजाब आकर बसे थे।
- आर्य सबसे पहले **पंजाब एवं अफगानिस्तान** में बसे।
- विश्व का पहला धर्म **हिंदू धर्म** (सनातन धर्म) है।
- ऋग्वैदिक आर्य **संस्कृत भाषा** का प्रयोग करते थे।
- ऋग्वेद में **पुरंदर** शब्द का प्रयोग इंद्र के लिए हुआ है। *(वैदिक देवता इंद्र था की स्तुति में 250 सूक्त लिखे गए हैं।)*
- ऋग्वैदिक काल में सबसे प्रधान देवता **इंद्र** थे।

वेदों के पुरोहित

वेद	पुरोहित
ऋग्वेद	होता
यजुर्वेद	अध्वर्यु
सामवेद	उद्गाता
अथर्ववेद	ब्रह्मा

- सबसे प्राचीन वेद **ऋग्वेद** है।
- ऋग्वेद में सूक्तों की संख्या **1028** है। *(ऋग्वेद में 1028 सूक्तों का संकलन किया गया है। इसमें 10 मंडल हैं जिनमें से 2 से 7 तक मौलिक और प्राचीनतम हैं। ऋग्वेद सबसे प्राचीन ग्रंथ है। ऋग्वेद का पहला मंडल और 10वां मंडल बाद में जोड़ा गया है।)*
- 'तमसो मा ज्योतिर्गमय **ऋग्वेद** से लिया गया है।
- गायत्री मंत्र **ऋग्वेद** में मिलता है।
- 'गायत्री मंत्र' की रचना **विश्वामित्र** ने की थी।
- ऋग्वेद में गायत्री मंत्र **सावित्री** को संबोधित है। *(इसका उल्लेख ऋग्वेद के तीसरे मंडल में किया गया है।)*
- ऋग्वैदिक काल से पूर्व आर्यों का मुख्य व्यवसाय **पशुपालन** था।
- ऋग्वैदिक युग की प्राचीन संस्था **विदथ** थी। *(यह आर्यों की सबसे प्राचीन संस्था थी। इसे जनसभा भी कहा जाता था। रॉथ के अनुसार विदथ संस्था सैनिक, असैनिक तथा धार्मिक कार्यों से संबद्ध थी। विदथ एक पुरातन एक विशेष सार्वजनिक संस्था थी, जो विद्या, ज्ञान एवं यज्ञों से विशेष संबंध रखती थी)*।
- ऋग्वेद तथा यजुर्वेद का हिंदी अनुवाद **स्वामी दयानंद सरस्वती** ने किया था।
- सामवेद **भारतीय संगीत** पर प्राचीनतम पुस्तक है। *(इसे 'भारतीय संगीत का जनक' माना जाता है।)*
- शास्त्रीय संगीत के सिद्धांत की चर्चा **सामवेद** में की गई है।
- **सांख्य दर्शन** भारतीय दर्शन की आरंभिक विचारधारा है।
- आर्यों के समाज में **चार वर्ण** *(ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र)* थे।
- आयुर्वेद की उत्पत्ति **अथर्ववेद** से हुई।
- **राज्यारोहण** का विस्तृत विवरण अथर्ववेद में मिलता है। *(थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है। इस वेद में रहस्यमय विद्याओं के मंत्र हैं, जैसे जादू, चमत्कार, आयुर्वेद आदि। यह वेद सबसे बड़ा है, इसमें 20 अध्यायों में 5687 मंत्र हैं। गोपथ ब्राह्मण में इसे अथर्वांगिरस वेद कहा गया है। ब्रह्म विषय होने के कारण इसे ब्रह्मवेद भी कहा गया है। आयुर्वेद, चिकित्सा, औषधियों आदि के वर्णन होने के कारण भैषज्य वेद भी कहा जाता है। पृथ्वीसूक्त इस वेद का अति महत्त्वपूर्ण सूक्त है। इस कारण इसे महीवेद भी कहते हैं।)*
- जादू-टोने का उल्लेख **अथर्ववेद** में किया गया है।
- **अथर्ववेद** सबसे बाद का वेद है। *(अथर्ववेद में सभा और समिति को प्रजापति की दो जुड़वां पुत्रियां कहा गया है। पुरप दुर्गपति तथा स्पश गुप्तचर होते थे। सभा सर्वसाधारण विषयों को तय करने के निमित्त पदाधिकारियों व विद्वानों की संस्था थी। समिति सार्वजनिक विषयों की देखभाल करने के लिए*

जनता का संगठन थी।)

- **अथर्ववेद** वेदत्रयी का भाग नहीं है। *(वेदत्रयी में ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद को शामिल किया गया है।)*
- वेदों में अथर्ववेद को **ब्रह्मवेद** के नाम से भी जाना जाता है।
- **गोपथ ब्राह्मण** अथर्ववेद से संबंधित है।
- सबसे पहले चारों आश्रमों का उल्लेख **'जाबालोपनिषद्'** में मिलता है।
- 'सत्यमेव जयते अथर्ववेद के **मुंडकोपनिषद** से उद्धृत है।
- **वेदांगों** की कुल संख्या 6 है।
- **'धनवंतरी'** को औषधी का देवता कहा जाता है।
- यजुर्वेद के यजुर् शब्द का अर्थ **समर्पण** है।
- **मनु** कानून के ज्ञाता थे।
- **मनु स्मृति** कानून से संबंधित है।
- प्राचीन भारत के महान विधि निर्माता **मनु** थे।

वेदों के उपवेद और उनके प्रवर्तक

वेद	उपवेद	प्रवर्तक/द्रष्टा
ऋग्वेद	आयुर्वेद	धन्वंतरी
सामवेद	गंधर्ववेद (संगीत)	भरतमुनी
यजुर्वेद	धनुर्वेद (युद्ध कला)	विश्वामित्र
अथर्ववेद	शिल्प वेद (भवन निर्माण)	विश्वकर्मा

- योग दर्शन के प्रतिपादक **पतंजलि** थे।
- चार्वाक का संबंध **लोकायत दर्शन** से है।
- **अद्वैतवाद** के महान प्रतिपादक शंकराचार्य का जन्म कलाड़ी (788 ई. में केरल में चेर साम्राज्य के शासनकाल में) में हुआ था।

उत्तर वैदिक काल के प्रमुख दर्शन

दर्शन	प्रतिपादक
चार्वाक	चार्वाक
सांख्य	कपिल
योग	पतंजलि
न्याय	गौतम
पूर्व मीमांसा	जैमिनी
उत्तर मीमांसा	बादरायण
वैशेषिक	कणाद या उलूक

- दक्षिण भारत में वैष्णव धर्म का प्रचार **आलवार संतों** ने किया था। *(नायनार संत शिव के उपासक थे।)*
- **पुष्टिमार्ग** के दर्शन की स्थापना बल्लभाचार्य ने की।

जैन धर्म

- जैन धर्म के पहले तीर्थंकर **ऋषभदेव** थे।
- जैनधर्म के कुल **24 तीर्थंकर** हुए। *(तीर्थंकर का अर्थ जन्म मरण से छुटकारा दिलाने वाला। पहले तीर्थंकर ऋषभदेव थे। 23वें पार्श्वनाथ और 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी थे। पार्श्वनाथ ने 4 महाव्रत जोड़े थे जिनमें 5वां महाव्रत ब्रह्मचर्य महावीर स्वामी ने जोड़ा था।)*
- **महावीर स्वामी** का जन्म क्षत्रिय राजघराने में हुआ था। *(भगवान महावीर का जन्म वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुंडलपुर में ज्ञातृक कुल में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहां तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को वर्द्धमान के रूप में हुआ।)*
- महावीर स्वामी का जन्म **कुंडलग्राम, वैशाली में** हुआ था।
- महावीर स्वामी का जन्म 540 ई.पू. में **वैशाली** में हुआ।
- महावीर स्वामी को **पावापुरी** में निर्वाण प्राप्त हुआ था। *(निर्वाण का अर्थ जन्म मरण के बंधन से छुटकारा पाना या शून्य स्थिति को प्राप्त करना है।)*
- जैनों के अनुसार महावीर **चौबीसवें तीर्थंकर** थे। *(नंदीवर्धन, महावीर स्वामी के अग्रज थे जिनकी अनुमति से उन्होंने गृह त्याग किया। महावीर ने सबसे पहले पावा में 11 ब्राह्मणों को उपदेश दिया। महावीर की पुत्री का नाम अणोज्जा या प्रियदर्शनी था।)*
- महावीर स्वामी को **जैन धर्म का संस्थापक** एवं ऋषभदेव को आदि प्रवर्तक माना जाता है।
- जैन धर्म में हथेली पर एक चक्र वाले हाथ द्वारा **अहिंसा** को चिन्हित किया जाता था।
- प्राचीन भारत में जैन धर्म मुख्य रूप से **व्यापारियों** द्वारा समर्थित था।
- वर्धमान महावीर लिच्छवि वंश के राजकुमार थे जो कि **वज्जि** संघ का समूह था।
- जैन तथा बौद्ध धर्म के समय **चार आश्रमों** को मान्यता प्राप्त हुई थी।
- भद्रबाहु के अनुयायी **दिगंबर** और स्थूलबाहु के अनुयायी **श्वेतांबर** कहलाए।
- **भगवती सुत्त ग्रंथ** में महावीर स्वामी की जीवनी मिलती है। *(इसमें 16 महाजनपदों का भी उल्लेख है। बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय में भी सोलह महाजनपदों की सूची मिलती है।)*
- **अनेकांतवाद व स्यादवाद या सप्तभंगीय** सिद्धांत जैन धर्म से संबंधित है।
- शब्द **'कैवल्य'** जैन धर्म से संबंधित है।
- जैन धर्म में परम ज्ञान से तात्पर्य **कैवल्य** से है।
- गोमतेश्वर की मूर्ति **श्रवणबेलगोला** में स्थित है। *(गोमतेश्वर की मूर्ति कर्नाटक में स्थित है और इसकी ऊंचाई 57 फुट है। इसका निर्माण वर्ष 981 में गंगा मंत्री और सेनापति चामुंडराय ने करवाया था।)*

- तीर्थंकर शब्द **जैन धर्म** से संबंधित है। *(तीर्थंकर का शाब्दिक अर्थ भव सागर से पार करने वाला होता है।)*
- **सम्यक आचरण** जैन धर्म से संबंधित है। *(जैन धर्म के त्रिरत्न - सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन, सम्यक आचरण हैं। सत्य तथा असत्य का ज्ञान ही सम्यक ज्ञान है। यथार्थ ज्ञान के प्रति श्रद्धा सम्यक दर्शन है। अहितकर कार्यों का निषेध तथा हितकारी कार्यों का आचरण ही सम्यक चरित्र है।)*
- आजीवक धर्म के प्रवर्तक **मक्खलि गोशाल** थे। *(आजीविक या आजीवक दुनिया की प्राचीन दर्शन परंपरा में भारतीय जमीन पर विकसित हुआ पहला नास्तिकवादी या भौतिकवादी संप्रदाय था।)*

बौद्ध धर्म

- गौतम बुद्ध को **एशिया की रोशनी** कहा जाता है।
- अष्टांगिक मार्ग का आचरण जैन धर्म को **बौद्ध धर्म** से अलग करता है।
- गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के पास **लुंबिनी** में तथा मृत्यु कुशीनगर में हुई थी।
- भगवान बुद्ध **शाक्य** कुल के थे। *(महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में लुंबिनी नेपाल में, ज्ञान बोध गया बिहार में और महापरिनिर्वाण 483 ईसा पूर्व कुशीनगर, भारत में हुआ था।)*
- **सिद्धार्थ** के नाम से बुद्ध जाने जाते थे। *(यह उनके बचपन का नाम था। महात्मा बुद्ध के जन्म के सातवें दिन उनकी माता महामाया का देहांत हो गया और बुद्ध का पालन-पोषण मौसी प्रजापति गौतमी ने किया। इसलिए बुद्ध को गौतम बुद्ध कहा जाता है।)*
- महात्मा बुद्ध ने अपना पहला गुरु **आलार कलाम** को बनाया।
- महावीर एवं बुद्ध दोनों ने **बिंबिसार** के शासनकाल में उपदेश दिया था। *(बुद्ध के जन्म के समय बिंबिसार तथा मृत्यु के समय अजातशत्रु मगध का राजा था।)*
- बुद्ध को परिज्ञान **बोधगया** में प्राप्त हुआ।
- बुद्ध को बोध गया में **पीपल के वृक्ष** के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। *(बुद्ध को निरंजना नदी के किनारे ज्ञान प्राप्त हुआ।)*
- गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति **वैशाख पूर्णिमा** की रात्री को हुई थी। *(35 वर्ष की आयु में बुद्ध को उरुवेला नामक स्थान पर एक पीपल के वृक्ष के नीचे 528 ई.पू. में समाधि लगाने के 49वें दिन बोधि (ज्ञान) प्राप्त हुआ।)*
- बुद्ध द्वारा ज्ञान प्राप्ति की घटना **संबोधी** कहलाती है।
- भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश **सारनाथ** में पाली भाषा में दिया था। *(उरुवेला से बुद्ध सारनाथ आए और कौंडिन्य आदि ब्राह्मणों को सारनाथ के ऋषिपतनम् व मृगदाव आश्रम में अपना पहला उपदेश दिया। उनका पहला उपदेश धर्म चक्र प्रवर्तन कहलाता है।)*
- बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए **पाली भाषा** प्रयोग की गई थी।
- बौद्ध धर्म में त्रिरत्न **बुद्ध, धम्म तथा संघ** को कहा जाता है।
- **कालदेव तथा ब्राह्मण कौण्डिन्य** ने बुद्ध को चक्रवर्ती राजा या संन्यासी होने की भविष्यवाणी की थी।
- बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश **श्रावस्ती (कौशल)** में दिए।
- बुद्ध ने अपने **प्रिय शिष्य आनंद** के बहुत आग्रह करने पर स्त्रियों को संघ में प्रवेश करने की अनुमति दी।

बौद्ध त्रिपिटक

त्रिपिटक	विषय वस्तु
विनयपिटक	बौद्ध भिक्षुओं के आचरण संबंधी नियम
सुत्तपिटक	बुद्ध के धार्मिक उपदेशों का संग्रह
अभिधम्मपिटक	दार्शनिक और आध्यात्मिक वर्णन

- **मिलिंदपन्हो** में बौद्ध दार्शनिक नागसेन तथा मेनांडर के वार्तालापों का संकलन है। *(यूनानी शासक मेनांडर ने नागसेन से प्रभावित होकर बुद्ध धर्म स्वीकार किया था।)*
- प्रज्ञापारमितासूत्र में नागार्जुन ने **शून्यवाद** का प्रतिपादन किया।
- बुद्ध पाली भाषा में उपदेश दिया करते थे। *(गौतम बुद्ध ने आमजन को उनकी स्थानीय भाषा पाली में उपदेश प्रदान किए थे।)*
- गौतम बुद्ध का पहला धर्मोपदेश **'धर्मचक्र प्रवर्तन'** कहलाता है।
- बुद्ध को **'ज्ञान से प्रकाशित'** कहा जाता है।

बौद्ध संगीतियां

	स्थान	समय	अध्यक्ष	शासनकाल	उपलब्धियां
पहली	राजगृह	483 ई.पू.	महाकश्यप उपालि	अजातशत्रु	बुद्ध के उपदेशों का दो पिटकों विनयपिटक तथा सुत्तपिटक में संकलन।
दूसरी	वैशाली	383 ई.पू.	साबाकमीर	कालाशोक	बौद्ध धर्म स्थाविरवादी व महासाधिक दो भागों में बंट गया।
तीसरी	पाटलिपुत्र	255 ई.पू.	मोगलिपुत्र तिस्स	अशोक	तीसरा पिटक अभिधम्म पिटक सम्मिलित किया गया।
चौथी	कुंडलवन (कश्मीर)	लगभग ईसा की प्रथम शताब्दी	वसुमित्र (अध्यक्ष) अश्वघोष (उपाध्यक्ष)	कनिष्क	बौद्ध धर्म दो संप्रदायों - हीनयान तथा महायान में बंट गया।

- भगवान बुद्ध के प्रवचनों का सार **इछाओं का परित्याग** है।
- धर्म के **मध्यम प्रतिपदा** (Middle path) सिद्धांत बुद्ध से संबंधित है। *(बुद्ध ने किसी भी कार्य को करने के लिए मध्यम मार्ग का अनुसरण करने की सलाह दी है।)*
- बुद्ध की मृत्यु **महापरिनिर्वाण** कहलाती है।
- भगवान बुद्ध ने अंतिम श्वास (महापरिनिर्वाण) **कुशीनगर** में ली थी।
- **हीनयान और महायान** बौद्ध धर्म के दो भाग हैं।
- **त्रिपिटक** बौद्धों से संबंधित हैं। ग्रंथ त्रिपिटक का अर्थ तीन पिटारी है।
- **जातक** बौद्धों के पवित्र ग्रंथ हैं। *(जातक में बुद्ध के पूर्व जन्मों की कहानियां हैं।)*
- बुद्ध के समकालीन दार्शनिक **कन्फ्यूशियस** था।
- नागार्जुन बौद्ध **दार्शनिक** थे।
- बौद्ध धर्म मानने वालों की संख्या **महाराष्ट्र** में अधिक है।
- स्तूप के शीर्ष भाग को **इर्मिक** कहते हैं।
- सिद्धार्थ के सारथी का नाम **चन्ना** था।
- द्वितीय बौद्ध परिषद **वैशाली** में हुई थी।
- बौद्धों का प्रसिद्ध तीर्थ केंद्र कुशीनगर **उत्तर प्रदेश** में है।
- तीन प्रसिद्ध बौद्ध स्थल **रत्नागिरि, ललितगिरि तथा उदयगिरि** ओडिशा में स्थित हैं।
- **खांभालिदा** बौद्ध गुफाएं गुजरात के राजकोट जिले में पाई जाती हैं।
- बौद्ध धर्म से संबंधित अर्द्धगोलाकार स्तूप **अंत्येष्टि स्तूप** कहलाता है।
- विश्व शांति स्तूप **राजगीर** में है।
- गौतम बुद्ध द्वारा **भिक्षुणी संघ** की स्थापना वैशाली में की गई थी।
- मठ, मंदिर और स्तूप **बौद्ध धर्म** से संबंधित हैं।
- **त्रिरत्न** का संबंध बौद्ध तथा जैन धर्म से है।
- शब्द **भिक्षु** बौद्ध धर्म से संबंधित है।
- बौद्ध गाथाओं में **कमल एवं सांड** बुद्ध के जन्म का प्रतीक हैं।
- बौद्ध स्तूप **बुद्ध और उनके सहयोगियों** के सांसारिक अवशेषों को संरक्षित करने के लिए बनाए गए हैं।
- **सांची स्तूप'** सांची शहर, मध्य प्रदेश में अशोक द्वारा निर्मित एक स्मारक है।
- भारत में स्तूपों की सर्वाधिक संख्या **मध्य प्रदेश** में है।

महाजनपद काल

- 16 जाने-माने महाजनपदों में सबसे महत्वपूर्ण महाजनपद **मगध** था।
- सूरसेन महाजनपद की राजधानी **मथुरा** थी।
- अंग महाजनपद की राजधानी **चंपा** थी। *(छठी शताब्दी ई.पू. भारत में सोलह महाजनपदों का अस्तित्व था। इसकी जानकारी बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय और जैन ग्रंथ भगवतीसूत्र से प्राप्त होती है। तमिल ग्रंथ शिल्पादिकाराम में तीन महाजनपद - वत्स, मगध, अवंति का उल्लेख मिलता है। इन 16 महाजनपदों में से 14 राजतंत्र और दो (वज्जि, मल्ल) गणतंत्र थे। बौद्ध काल में सर्वाधिक शक्तिशाली महाजनपद वत्स, अवंति, मगध, कोसल थे।)*
- कुरु महाजनपद की राजधानी **इंद्रप्रस्थ** थी।

प्रमुख महाजनपद

महाजनपद	राजधानी	विशेष
अवंति	उत्तरी अवंति - उज्जयिनी दक्षिणी अवंति - महिष्मति	आधुनिक मालवा
अश्मक	पाटन	दक्षिण भारत का एकमात्र महाजनपद। इस राज्य के राजा इक्ष्वाकुवंश के थे।
अंग	चंपा	वर्तमान बिहार के मुंगेर और भागलपुर जिले में
कंबोज	हाटक या राजपुर	आधुनिक पामीर का पठार के पश्चिम में बदख्शां प्रदेश।
काशी	वाराणसी	वरुणा और असी नदियों की संगम पर
कुरु	इंद्रप्रस्थ	हरियाणा तथा दिल्ली की यमुना नदी के पश्चिमी भाग
कोशल	श्रावस्ती	उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिला, गोंडा और बहराइच के क्षेत्र
गांधार	तक्षशिला	पाकिस्तान का पश्चिमी तथा अफगानिस्तान का पूर्वी क्षेत्र
चेदि	शक्तिमती	बुंदेलखंड
वज्जि	वैशाली	आठ गणतांत्रिक कुलों का संघ, उत्तर बिहार में गंगा के उत्तर मंम अवस्थित
वत्स	कौशांवी	उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद तथा मिर्जापुर जिले
पांचाल	उत्तरी पांचाल - अहिछत्रपुर दक्षिणी पांचाल - कापिल्य	पश्चिमी उत्तर प्रदेश, चुलानी ब्रह्मदत्त पांचाल देश का एक महान शासक था।